मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग

सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022

–::परीक्षा योजना::–

(अ) अंक–योजना :–

प्रश्न पत्र	परीक्षा	प्रश्नों की संख्या	पूर्णांक	अवधि
प्रथम प्रश्न पत्र	मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान	50	200	01 घंटा
द्वितीय प्रश्न पत्र	विषय– संबंधित विषय	150	–600	03 घंटे
	योग	200	800	
	साक्षात्कार		100	
	कुल अंक		900	

(ब) प्रश्न पत्र योजना :–

1. परीक्षा का आयोजन दो सत्रों में होगा ।
2. प्रथम प्रश्न पत्र की विषयवस्तु – मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान से संबंधित 50 प्रश्न होंगे । द्वितीय प्रश्न पत्र में विषय से संबंधित प्रश्नपत्र में 150 प्रश्न होंगे। इस प्रकार दोनों प्रश्न पत्र में कुल–200 प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा। इस प्रकार दोनों प्रश्न–पत्रों का पूर्णांक 800 अंकों का होगा।
3. दोनों प्रश्न पत्र वस्तुनिष्ठ (बहुविकल्पीय) प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु चार विकल्प (A,B,C,D) होंगे। अभ्यर्थी को उक्त विकल्पों में से केवल एक सही विकल्प का ही चयन करना होगा। अभ्यर्थी द्वारा एक से अधिक विकल्पों का चयन करने पर उत्तर निरस्त कर दिया जाएगा।
4. प्रथम प्रश्न पत्र की अवधि 01 घंटे की होगी । इस प्रश्न पत्र में 50 प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे। प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा। द्वितीय प्रश्न पत्र की अवधि 03 घंटे की होगी । द्वितीय प्रश्न पत्र में संबंधित विषय के 150 प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होंगे तथा प्रत्येक प्रश्न 04 अंकों का होगा इस प्रकार लिखित परीक्षा की मेरिट दोनों प्रश्न पत्रों के प्राप्तांको को जोड़कर बनेगी।
5. दोनों ही प्रश्न पत्रों में पृथक–पृथक 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। मध्यप्रदेश के अधिसूचित अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) तथा अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC), आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) एवं दिव्यांगजन (PH) श्रेणी के आवेदकों को परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु 10–10 प्रतिशत अंकों की छूट दी जाएगी इस प्रकार उक्त श्रेणी के आवेदकों को परीक्षा में उत्तीर्ण होने हेतु प्रत्येक प्रश्न–पत्र में पृथक–पृथक न्यूनतम 30 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
6. भाषा संबंधी प्रश्न–पत्रों को छोड़कर समस्त प्रश्न–पत्र हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में होंगे।

7. परीक्षा परिणाम के साथ ही अभिलेख–प्रेषण हेतु अंतिम तिथि निर्धारित कर परीक्षा में प्रावधिक सफल अभ्यर्थियों से उनकी अर्हता से संबंधित सभी अभिलेख प्राप्त किए जाएँगे तथा केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु आमंत्रित किया जाएगा जो अभिलेखों की सूक्ष्म जाँच उपरान्त अर्ह पाए जाएँगे। अंतिम निर्धारित तिथि पश्चात आयोग द्वारा अभिलेख स्वीकार्य नहीं किए जाएंगे।

8. साक्षात्कार :–

साक्षात्कार 100 अंकों का होगा। साक्षात्कार हेतु कोई न्यूनतम उत्तीर्णांक निर्धारित नहीं हैं।

(स) चयन–प्रक्रिया :–

1) चयन–प्रक्रिया के प्रथम चरण में संबंधित प्रश्न पत्र की ऑफलाइन पद्धति (OMR Sheet आधारित) परीक्षा/ऑफलाइन परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

2) परीक्षा उपरान्त परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों की प्रावधिक उत्तर कुंजी तैयार कर आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर प्रकाशित कर 07 दिवस की अवधि में आपत्तियाँ प्राप्त की जाएगी। इस अवधि के पश्चात् प्राप्त किसी भी अभ्यावेदन पर कोई विचार एवं पत्राचार नहीं किया जाएगा । आपत्ति हेतु दिया गया शुल्क किसी भी स्थिति में वापस नहीं किया जाएगा। प्राप्त आपत्तियों पर आयोग द्वारा गठित विषय–विशेषज्ञ समिति द्वारा आपत्तियों पर विचार कर निम्नांकित कार्यवाही की जाएगी :–

1. ऐसे प्रश्न जिनका प्रावधिक कुंजी में दिए गए विकल्पों में से गलत उत्तर दिया गया है और विकल्पों में अन्य विकल्प सही है, तब प्रावधिक उत्तर कुंजी को संशोधित किया जाएगा ।
2. प्रश्न पत्र में अनुवाद की भाषा में भिन्नता की स्थिति में केवल हिन्दी अनुवाद ही मान्य होगा। **(केवल द्वि–भाषी प्रश्न–पत्रों पर लागू)**
3. ऐसे प्रश्न जिसका दिए गए विकल्पों में एक से अधिक सही उत्तर है, सभी सही उत्तरों को मान्य किया जाएगा ।
4. ऐसे प्रश्न जिसका दिए गए विकल्पों में एक भी सही उत्तर न हो, प्रश्न को प्रश्न–पत्र से विलोपित किया जाएगा ।
5. विषय–विशेषज्ञ समिति द्वारा समस्त अभ्यावेदनों पर विचार करने के पश्चात् अंतिम उत्तर कुंजी बनाई जाएगी तथा आयोग द्वारा वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर प्रकाशित की जाएगी। अंतिम उत्तर कुंजी के प्रकाशन के पश्चात् अभ्यर्थियों के कोई भी आपत्ति/पत्र व्यवहार मान्य नहीं किया जाएगा । विषय–विशेषज्ञ समिति का निर्णय अंतिम होगा ।

6. उपरोक्तानुसार समिति द्वारा विलोपित किए गए प्रश्नों को छोड़कर शेष प्रश्नों के आधार पर अंतिम उत्तर कुंजी के अनुसार अभ्यर्थियों का मूल्यांकन कर परीक्षा–परिणाम घोषित किया जाएगा।

3) परीक्षा में प्राप्तांक के गुणानुक्रम के आधार पर विभिन्न प्रवर्गों हेतु विज्ञापित रिक्तियों के अधिकतम 3 गुना तथा समान अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में अभिलेख प्रस्तुत करने हेतु प्रावधिक सफल घोषित किया जाएगा।

4) साक्षात्कार में अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों को चयन के लिये अनर्ह माना जाएगा। साक्षात्कार के लिए आवेदकों को बुलाने के संबंध में आयोग का निर्णय अंतिम होगा। यह निर्णय आयोग की वेबसाइट www.mppsc.mp.gov.in पर उपलब्ध रहेगा। अभ्यर्थी समय–समय पर आयोग की वेबसाइट का अवलोकन करते रहें।

5) विज्ञापन की कंडिका–सात–चयन प्रक्रिया (1) के अनुसार–यदि अभ्यर्थी मध्यप्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में सहायक प्राध्यापक का कार्य अतिथि विद्वान के रूप में किया है तो उनके द्वारा अतिथि विद्वान के रूप में किए गए कार्य के आधार पर विभाग द्वारा निर्धारित मापदण्ड अनुसार प्राप्त वरीयता अंक के योग के गुणानुक्रम के आधार पर होगा।

6) आयोग की परीक्षा प्रणाली में पुनर्मूल्यांकन/पुनर्गणना का कोई प्रावधान नहीं है। इस विषय में प्राप्त अभ्यावेदनों पर कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी।

परीक्षा नियंत्रक

सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022

पाठ्यक्रम–प्रथम प्रश्न–पत्र

मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का सामान्य ज्ञान तथा कम्प्यूटर का आधारभूत ज्ञान

1. <u>मध्यप्रदेश का इतिहास, संस्कृति एवं साहित्य</u>

- मध्यप्रदेश के इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाएँ, प्रमुख राजवंश।
- स्वतंत्रता आन्दोलन में मध्यप्रदेश का योगदान।
- मध्यप्रदेश की कला एवं संस्कृति।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ एवं बोलियाँ।
- प्रदेश के प्रमुख त्यौहार, लोक संगीत एवं लोक कलाएँ।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी रचनाएँ।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थल।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख व्यक्तित्व।

2. <u>मध्यप्रदेश का भूगोल</u>

- मध्यप्रदेश के वन, पर्वत तथा नदियाँ।
- मध्यप्रदेश की जलवायु।
- मध्यप्रदेश के प्राकृतिक एवं खनिज संसाधन।
- ऊर्जा संसाधन : परंपरागत एवं गैर पंरपरागत।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख सिंचाई एवं विद्युत परियोजनाएँ।

3. <u>मध्यप्रदेश की राजनीति एवं अर्थशास्त्र</u>

- मध्यप्रदेश की राजनीतिक व्यवस्था (राज्यपाल, मंत्रिमंडल, विधानसभा)
- मध्यप्रदेश में पंचायतीराज व्यवस्था।
- मध्यप्रदेश की सामाजिक व्यवस्था।
- मध्यप्रदेश की जनांकिकी एवं जनगणना।
- मध्यप्रदेश का आर्थिक विकास।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख उद्योग।
- मध्यप्रदेश में कृषि एवं कृषि आधारित उद्योग।

4. <u>अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाएँ</u>

- महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाएँ।
- देश एवं प्रदेश की प्रमुख खेल प्रतियोगिताएँ एवं पुरस्कार तथा खेल संस्थाएँ।
- मध्यप्रदेश राज्य की प्रमुख जन कल्याणकारी योजनाएँ।
- मध्यप्रदेश के चर्चित व्यक्तित्व एवं स्थान।

5. <u>सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी।</u>

- इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर्स, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी।
- रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स एवं सायबर सिक्यूरिटी।
- ई–गवर्नेन्स ।
- इंटरनेट तथा सोशल नेटवर्किंग साईट्स।
- ई–कॉमर्स।

---xxx---

ASSISTANT PROFESSOR EXAM-2022

SYLLABUS- PAPER-I

General knowledge of Madhya Pradesh, National and International level and basic knowledge of computer

1. History culture and literature of M.P.

- Important Historical events and Major dynasties of M.P.
- Contribution of Madhya Pradesh in the Independence movements.
- Art, Architecture and culture of M.P.
- Main Tribes and Dialects of M.P.
- Main festivals, folk music and folk art of M.P.
- Important literary figures of M.P. and their literature.
- Main Tourist places of M.P.
- Important personalities of M.P.

2. Geography of the Madhya Pradesh

- Forest, Mountain and Rivers of M.P.
- Climate of M.P.
- Natural and mineral resources of M.P.
- Energy Resources: Conventional and Non- conventional.
- Main irrigation and Power projects of M.P.

3. Politics and Economy of M.P.

- Political system of M.P. (Governor, Cabinet, Legislative Assembly).
- Panchayati Raj in M.P.
- Social system of M.P.
- Demography and census of M.P.
- Economic development of M.P.
- Main industries of M.P.
- Agriculture and Agri based industries in M.P.

4. Current events of International, National and M.P.

- Important Contemporaneous events.
- Famous sports competitions; awards and sports institution of the State and country.
- Welfare schemes of M.P. state.
- Famous personalities and Places.

5. Information and Communication Technology

- Electronics, computers, information and communication technology.
- Robotics, artificial intelligence and cyber security.
- E- Governance.
- Internet and Social networking site.
- E- Commerce.

---xxx---

सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2022

पाठ्यक्रम– संस्कृत

इकाई–1
वैदिक साहित्य

- वेद का अर्थ एवं स्वरूप, वैदिककाल–क्रम तथा प्रमुख वैदिक देवताओं (अग्नि, सवितृ इन्द्र, रुद्र, अश्विनी, वरुण, उषस् एवं सोम) का परिचय

- ऋग्वेद –(अ) विभाजन क्रम तथा सम्वाद सूक्त–पुरूरवा–उर्वशी, यम–यमी, सरमा–पणि तथा विश्वामित्र–नदी का अध्ययन ।
  (आ) अग्नि (1.1) इन्द्र (2.12) पुरुष (10.90) हिरण्यगर्भ (10.121). नासदीय (10.129), वाक् (10.125), वरुण (125), सूर्य (1.125) उषस् (3.61). पर्जन्य (5.83) सूक्तों का अध्ययन ।
- (अ) सामवेद का सामान्य परिचय
  (आ) सूक्तों का अध्ययन– यजुर्वेद–शिवसंकल्प (1.6) तथा प्रजापति (1.5)
  अथर्ववेद–राष्ट्राभिवर्धनम् (1.29), पृथिवी (12.1)

- ब्राह्मण एवं आरण्यक –
  - सामान्य लक्षण, विशेषताएँ
  - प्रतिपाद्य विषय.
  - विधि एवं उसके प्रकार
  - अग्निहोत्र एवं अग्निष्टोम यज्ञ
  - दर्शपौर्णमास यज्ञ एवं पंचमहायज्ञ
  - आख्यान– शुनःशेप तथा वाङ्मनस्

- उपनिषदों– उपनिषदों का वर्ण्यविषय
  ईश, कठ, केन, बृहदारण्यक तथा तैत्तिरीय उपनिषद् की अवधारणाओं का अध्ययन।

इकाई–2

वेदाङ्ग साहित्य

- शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छन्द एवं ज्योतिष का सामान्य परिचय ।
- ऋक्–प्रातिशाख्य:
  निम्नलिखित परिभाषाएँ– समानाक्षर सन्ध्यक्षर, अघोष, सोष्म, स्वरभक्ति, यम्, रक्त, संयोग, प्रगृह्य, रिफित ।
- निरुक्त (अध्याय 1 और 2) :
  निरुक्त के अध्ययन के उद्देश्य एवं निर्वचन के सिद्धान्त ।
  चार पद–नाम का विचार, आख्यात का विचार, उपसर्गों का अर्थ, निपातों की कोटियाँ
  क्रिया के छः रूप (षड्भावविकार)
- निम्नलिखित शब्दों की व्युत्पत्तियाँ :
  आचार्य, वीर ह्रद, गो, समुद्र, वृत्र, आदित्य, उषस्, मेघ वाक्, उदक्, नदी,
  अश्व, अग्नि, जातवेदस्, वैश्वानर, निघण्टु ।
- निरुक्त (सप्तम अध्याय–दैवत काण्ड) :
  मन्त्रों के प्रकार
  देवताओं का स्वरूप
  देवताओं की संख्या ।

इकाई–3
भारतीय दर्शन

- दर्शन से आशय, भारतीय दर्शन की विशेषताएँ, आस्तिक तथा नास्तिक दर्शन से तात्पर्य ।

- ईश्वरकृष्ण की सांख्यकारिका :
  सत्कार्यवाद, पुरुष स्वरूप, प्रकृति–स्वरूप, सृष्टिक्रम, प्रत्ययसर्ग, कैवल्य ।

- सदानन्द का वेदान्तसार :
  अनुबन्ध–चतुष्टय, अज्ञान, अध्यारोप–अपवाद, लिंगशरीरोत्पत्ति, पञ्चीकरण, विवर्त, जीवनमुक्ति ।

- केशव मिश्र की तर्कभाषा :
  पदार्थ, कारण, प्रमाण– प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द ।
  प्रमातृ, प्रमेय, प्रमाण और प्रमिति की अवधारणाओं का अध्ययन

- सर्वदर्शन संग्रह– चार्वाक, जैन, बौद्ध, योग, पूर्व मीमांसा तथा वैशेषिक दर्शन का सामान्य परिचय ।

इकाई–4

व्याकरण तथा भाषा विज्ञान

- पाणिनीय शिक्षा का विशिष्ट अध्ययन।

- लघुसिद्धान्त कौमुदी से परिभाषाएँ– संहिता, गुण, वृद्धि प्रातिपदिक, नदी, घि, उपधा, अपृक्त, गति, पद, विभाषा, सवर्ण, टि, प्रगृह्य, सर्वनाम–स्थान, निष्ठा तथा सन्धि प्रकरण।

- लघुसिद्धान्त कौमुदी से समास, कृदन्त, तद्धित एवं स्त्री प्रत्यय प्रकरण

- सिद्धान्त कौमुदी से कारक प्रकरण

- भाषा विज्ञान–
  भाषा की परिभाषा एवं प्रकार भाषा तथा वाक में अंतर
  भाषा तथा बोली में अंतर
  भाषा का वर्गीकरण (परिवारमूलक एवं आकृतिमूलक)
  संस्कृत ध्वनियों के विशेष संदर्भ में मानवीय ध्वनि यंत्र
  भाषा की प्रक्रिया एवं ध्वनियों का वर्गीकरण स्पर्श, संघर्षी, अर्धस्वर एवं स्वर ।
  ध्वनि संबंधी नियम (ग्रिम, ग्रासमान, वर्नर)
  ध्वनि परिवर्तन के कारण
  अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ तथा कारण
  वाक्य का लक्षण तथा भेद
  भारोपीय भाषा परिवार का संक्षिप्त परिचय
  भारतीय आर्यभाषा की तीन अवस्थाएँ ।

इकाई–5

साहित्यशास्त्र

- काव्यप्रकाश से काव्यलक्षण, काव्यप्रयोजन, काव्यहेतु, काव्यभेद, शब्दशक्ति, संकेतग्रह अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद, रसस्वरूप एवं रससूत्रविमर्श, रसभेद, रसदोष, काव्यगुण तथा काव्यदोष ।

- काव्यप्रकाश से अनुप्रास, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, समासोक्ति, अपह्नुति, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, दृष्टान्त, विभावना, विशेषोक्ति, संकर तथा संसृष्टि अलंकारों के लक्षण तथा उदाहरण ।

- ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत)

- काव्यमीमांसा (अध्याय 1 से 5)

- वक्रोक्तिजीवितम्, औचित्यविचारचर्चा, साहित्यदर्पण तथा रसगंगाधर का सामान्य परिचय।

इकाई–6

नाट्यशास्त्र एवं रूपक

- प्रमुख नाट्यशास्त्रकार– भरतमुनि, रामचन्द्र–गुणचन्द्र, सागरनंदी, धनंजय, तथा सिंहभूपाल का योगदान
- भरतमुनिकृत नाट्यशास्त्र (प्रथम, द्वितीय तथा षष्ठ अध्याय)
- दशरूपक (प्रथम तथा तृतीय उल्लास)
- महाकवि भास तथा राजशेखर प्रणीत रूपकों का परिचय
- अभिज्ञानशाकुन्तलम्, उत्तररामचरित, वेणीसंहार, मृच्छकटिक, मुद्राराक्षस तथा रत्नावली नाटिका का प्रतिपाद्य एवं वैशिष्ट्य।

इकाई–7

इतिहास एवं पुराण

- रामायण – रामायण प्रतिपाद्य
  रामायण में आख्यान
  रामायणकालीन समाज एवं संस्कृति
  रामायण का साहित्यिक महत्त्व
  रामायण की उपजीव्यता
- महाभारत – महाभारत का प्रतिपाद्य
  महाभारत में आख्यान
  महाभारत कालीन समाज एवं संस्कृति
  महाभारत का साहित्यिक महत्त्व
  महाभारत की उपजीव्यता
- पुराण – पुराण का लक्षण एवं भेद
  महापुराण एवं उपपुराण
  पौराणिक सृष्टि प्रक्रिया
  पुराणों में विविध कलाएँ
  पौराणिक आख्यान
- पुरालिपि – प्राचीन भारतीय लिपियों का सामन्य परिचय
  ब्राह्मीलिपि का इतिहास
  भारत में लेखन कला की प्राचीनता
- अभिलेख – अभिलेखों का महत्व
  रूम्मिनदेई स्तम्भलेख
  रूद्रदामन का गिरनार लेख
  खारवेल का हाथीगुम्फा अभिलेख
  स्कन्दगुप्त का इंदौर ताम्रपट्ट अभिलेख
  यशोधर्मन–विष्णुवर्धन का दशपुर शिलालेख

इकाई–8

गद्य, पद्य तथा चम्पू काव्य

- गद्य काव्य – दशकुमारचरित, हर्षचरित तथा कादम्बरी काव्य का सामान्य परिचय
- पद्य काव्य – रघुवंश, मेघदूत, किरातार्जुनीय, शिशुपालवध, नैषधीयचरित, बुद्धचरित तथा गीतगोविन्द काव्य का सामान्य अध्ययन, भृर्तृहरि प्रणीत शतकत्रय
- चम्पू काव्य – नलचम्पू, रामायण चम्पू, तथा यशस्तिलकचम्पू काव्य का सामान्य परिचय
- विशिष्ट अध्ययन – रघुवंशम् (प्रथम तथा द्वितीय सर्ग)
  किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)
  शिशुपालवधम् (प्रथम सर्ग)
  नैषधीयचरित् (प्रथम सर्ग)

- विशिष्ट अध्ययन – दशकुमारचरितम् (प्रथमोच्छ्वास)
  हर्षचरितम् (पञ्चमोच्छ्वास)
  कादम्बरी (महाश्वेतावृत्तान्त)

इकाई–9

धर्मशास्त्र तथा अर्थशास्त्र

- मनुस्मृति – (प्रथम, द्वितीय तथा सप्तम अध्याय)
- याज्ञवल्क्यस्मृति – (व्यवहाराध्याय मात्र)
- निर्णयसिन्धु का सामान्य परिचय
- स्वस्थवृत्तम् ग्रन्थ से दिनचर्या, ऋतुचर्या तथा आहारचर्या
- कौटिलीय अर्थशास्त्र (प्रथम दस अधिकार)

इकाई–10

अर्वाचीन संस्कृत साहित्य

- आधुनिक संस्कृत कवि अप्पाशास्त्री राशिवडेकर, पण्डिता क्षमाराव, श्रीनिवासरथ, श्रीधर भास्कर वर्णेकर तथा अभिराज राजेन्द्र मिश्र का व्यक्तित्व एवं कृतित्व।
- मीराचरितम् काव्य का प्रतिपाद्य तथा काव्य वैशिष्ट्य
- विवेकानन्दविजयम् नाटक का वर्ण्यविषय तथा नाट्यकौशल
- इक्षुगन्धा का प्रतिपाद्य तथा सामाजिक महत्त्व
- भावमाला काव्य का प्रतिपाद्य एवं वैशिष्ट्य

***